निनप किया आज वो रखाते है इंदिल जिनसे कहा, वे हंसी उड़ाते हैं 5555 १ ऐसे हालात क्यों अन्य है। गये जमान के उत्पाद दरें दिल - - - - अरोसा 2) हमने हर गम की न्सहा, जिनकी रवशी के जवातिर 55005 इनकी क्या ही गया, आरवें मुक्ते दिखाते हैं 55555 उ दिना के दीर में देदी, जहारे जिनके लिए " " आज वर्गा लोग वहीं भिलके यों तड़पाते हैं 55555 फिर भी क्यों लोग यहाँ, अपना हक जताते हैं प्ण दर्दि दिल - - -ये अब तो से अरक भी, कहने लगे "श्री नाना श्री" रहेरिल-